

অপেক্ষা

শ্রীনাথসরীन आतार बीना

२७/२/२०२१

चलते चलते हठां थमके दाड़ाई,

पेछने अनुभव करि शून्यता।

फिरे देखि तुमि हीन

धुधु प्राप्तुर।

आमि सुक हये याई,निजेके आविष्कार करि डूल पथेर मावे।

निस्पलक चेये थकि तुमि आसवे बले,

जानि आमाके खुँजे पेते ठिकई तुमि आसवे।

अपेक्षार प्रहर येन शेष हय ना,

क्लान्त, विध्वस्त आमि पथेर मावेई बसे अपेक्षार प्रहर गुनि।

आमि अपेक्षा करि नदीर तीरे, पथेर धारे,

तोमाय खुँजते थकि ँ माठेर ओपारेर गहीन बने,

चलते चलते हठां थमके दाड़ाई बनेर मावे,

पथ हारिये आमि दिशेहारा।

हठां करे के येन बले ओठे

ओई मेये हारियेछो बुबि पथेर दिशा?

खुँजछो तोमार पथेर साथि?

चोखेर भाषा प्रकाश करे सत्यता।

से बले "आमि हलाम ईछे पाहाड"

ऊठे बसो आमार टुँडाय,

मन थेके तुमि या चाहिबे,कथा दिछि ताई पावे।

ईछे पाहाड चूडाय आजो आमि बसे आछि

से एसे फिरिये नेवे आमाय सेई चेना पथे।

একটা সময় সূর্য ও ক্লাস্ত হয়ে ফিরে যায়,
শুধু ক্লাস্ত আমি স্থবির
সঠিক পথের সন্ধানে তোমার অপেক্ষায়
এখনো "ইচ্ছে পাহাড় " চুঁড়ায়।